



**United
Nations**



**GLOCAL
UNIVERSITY**
SHAPING GLOBAL MINDS

SUSTAINABLE DEVELOPMENT GOALS (SDG)

SDG 4 – QUALITY EDUCATION



GLOCAL UNIVERSITY

INDIA

2023

SDG 4: Quality Education

Introduction

Sustainable Development Goal 4 (SDG 4) focuses on ensuring inclusive and equitable quality education and promoting lifelong learning opportunities for all. Education is a fundamental driver of sustainable development, empowering individuals, reducing inequalities, and fostering economic growth. SDG 4 emphasizes access to education for children, youth, and adults, addressing disparities based on gender, disability, geography, and economic status. Some objectives under SDG 4 include achieving universal primary and secondary education, expanding access to technical and vocational training, improving education quality through skilled teachers, and promoting education for sustainable development and global citizenship. By ensuring quality education, SDG 4 aims to build a foundation for a more inclusive, equitable, and prosperous society, enabling individuals to realize their potential and contribute meaningfully to their communities.



4.3:

Glocal University is committed to achieving SDG 4: Quality Education by implementing a wide range of initiatives aimed at providing inclusive and equitable education. As part of this commitment, the university offers various lifelong learning measures, including the Sukanya education scheme, which ensures access to education for all, particularly for young girls, and collaborates with industries, hospitals, and other institutions to enhance educational outcomes. Through partnerships with these sectors, the university not only provides students with industry-relevant training and experiences but also facilitates job fairs to connect students with potential employers, fostering career opportunities. These measures contribute to bridging the gap between education and employment, ensuring that students gain the necessary skills to thrive in their careers. Glocal University continues to prioritize free education schemes, job fairs, and industry collaborations, empowering individuals from all backgrounds to access quality education and secure meaningful work, further advancing the global agenda of SDG 4.





4.3.1:

- Glocal University is committed to lifelong learning by providing free access to educational resources for the public, including:
- Open Educational Resources (OER): We offer a wide range of free online courses, materials, and research publications that are accessible to anyone interested in learning.
- Public Lectures and Workshops: Regularly, we organize public lectures, webinars, and workshops on various subjects, including health, sustainability, technology, and social issues, open to all community members.
- Community Engagement: We collaborate with local organizations to offer educational programs aimed at improving skills and knowledge for personal and professional development.

- **Library Access:** Our library provides public access to a variety of academic books, journals, and digital resources, enabling individuals to further their education independently.



4.3.2;

Glocal University hosts a variety of educational events open to the general public, fostering lifelong learning and community engagement:

- **Public Lectures:** We organize talks by renowned experts on diverse topics such as technology, sustainability, health, and global development, inviting community members to broaden their knowledge.
- **Workshops and Seminars:** Hands-on workshops are held on subjects like digital literacy, entrepreneurship, environmental awareness, and personal development, open to all.

- Cultural and Educational Festivals: The University hosts annual festivals showcasing innovations, research, and student projects, encouraging public participation in educational experiences.
- Community Forums: We facilitate open forums where local residents can discuss key social and educational issues, contributing to community-driven learning.



023 तक... 023 तक... 023 तक...

सुलतानपुर के न्यू केंब्रिज पब्लिक स्कूल में होली खेलते बच्चे। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

गंगोह/अंबेहटा/सादौली कद्रीम/चिलकाना/ छुटमलपुर/ नानीता/ तीतरी। जिले के विभिन्न स्कूलों, सामाजिक संस्थाओं एवं मदिरों में होली पर्व मनाया गया। इस दौरान रंग गुलाल और फूलों से होली खेलते गईं।



तीतरी में होली खेलते बच्चे। संवाद

होली खेलते लॉर्ड कृष्ण पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राएँ। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी



स्कूलों में छुट्टी के बाद होली खेलते हुए घर जाते बच्चे। संवाद

शिक्षिका अंजली आर्य के निर्देशन में रंगोली सजाई और एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। नानीता के लॉर्ड कृष्ण पब्लिक स्कूल में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य रामकुमार अहिंदर ने तीतरी के होली चार्जट पब्लिक जूनियर हाईस्कूल व कंकणाला उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने होली पर धमाल मचाया। प्रबंधक अशोक शर्मा, प्रधानाध्यक्षक बलराज सिंह देशवाल, प्रधानाध्यक्षिका मुनी देवी रहे।

गंगोह के नामदेव पब्लिक स्कूल में अभ्यासों और बच्चों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर एवं पुष्पों की वर्षा करके होली मनाई। प्रधानाचार्या रजनी राजपूत, फल्लवी अरोड़ा, रवि राजपूत, प्रबंधक फंकज राजपूत रहे। लक्ष्मी नारायण मंदिर में भी फूलों से होली खेली गई। अंकित अग्रवाल, कुमार फौजी, नवीन पंचवाल, नीतिन गोपाल अहिंद ने भजन भी प्रस्तुति दी।

इतराहोल क्लब का होली मिलन में शिक्षा ऐन, सांसद प्रदीप चौधरी की धूमधोली सुनौता चौधरी और अभ्यक्ष रीना गर्ग रहे। अंबेहटा के अजीत सिंह सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कलेज, चतनपुरम दास मिश्र सरस्वती शिशु मंदिर, आर्यन इंटरनेशनल स्कूल,

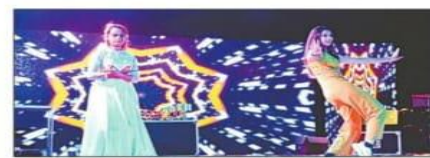
टीजीटी कालेज आफ एजुकेशन, सीएस टखनंद इंटर कालेज, वीबी पटेल इंटर कालेज आदि में होली की धूम रही।

टीजीटी कालेज आफ एजुकेशन में डापरेंक्टर शाह शाद रशीद स्वरही ने होली को आपसी एकता का प्रतीक बताया। सादौली कद्रीम के न्यू बीएसएम इंटर कालेज लोदीपुर, सुभाष चंद्र बोस जूनियर हाईस्कूल लोदीपुर, ई लाइट इंटर कालेज बरामपुर, बीएस जूनियर हाईस्कूल कम्बोहमजा, सरस्वती मॉडर्न पब्लिक

स्कूल जोधवास, पब्लिक इंटर कालेज साहोली कद्रीम में होली खेली गई।

चिलकाना सुलतानपुर स्थित न्यू केंब्रिज पब्लिक स्कूल में प्रधानाचार्य विकास कुमार सेनी, विजेंद्र कोशिक ने होली की बधाई दी। सरदार पटेल कालेज पटना, बीएस मैमोरियल, एसडी पब्लिक स्कूल पटौड़, नव जनोदय इंटर कालेज, जेजे इंटर कालेज सुलतानपुर, सरदार पटेल इंटर कालेज पटना आदि में उत्साह के साथ होली मनाई गई। छुटमलपुर के प्राथमिक स्कूल में

महक अंसारी और अहमद फराज को मिली मेराकी ट्रॉफी



मेराकी उत्सव में नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएँ। संवाद



मेराकी उत्सव में पुरस्कृत किए गए छात्र-छात्राएँ। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

बेहट/मिर्जापुर। ग्लोकल विद्यार्थिवाहालय में आयोजित पांच दिवसीय एनुअल फेस्ट मेराकी समाहो का समापन रविवार को देर

रवि रंगरंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हो गया।

समारोह में बहस चंसलर प्रोफेसर पीके भारती द्वारा मेगास्टार ऑफ मेराकी ट्रॉफी की महिला वर्ग में लॉ स्कूल की महक अंसारी एवं पुरुष वर्ग

में अहमद फराज को प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस दौरान कलाकारों और गायकों ने अपने प्रदर्शन से उपस्थित लोगों को विरकने पर मजबूर कर दिया। संचालन डॉ.एसडब्ल्यू टॉम के मोहम्मद

वसीम एवं रौनिका ने किया। बहस चंसलर प्रोफेसर एस्के शर्मा, पीके मिश्र, आरडी द्विवेदी, फॉरेस्टर निदेशक प्रोफेसर एसवी पांडे, डीएनईडिभिंस प्रोफेसर प्रमोद कुमार, डीएसडब्ल्यू स्वर्णिमा सिंह आदि रहे।

छात्रों को नशे के दुष्प्रभाव बताकर किया जागरूक

देवबंदा। भाकला पीजी कालेज को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के शिक्षर में संघर्षार को शिक्षार्थियों को नशे से होने वाले दुष्प्रभाव को जानकारी देते हुए उनसे दूर रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने शिक्षार्थियों को बताया कि समाज में नशे की प्रवृत्ति अधिक बढ़ गई है। जवाहरत पूजा नशे को निवारण में फंसता जा रहा है। नशे से दुर्घा निवारणवादी व हिंसाहारस हो गया है। नशे की प्रवृत्ति के कारण नुवाओं की नवरी में नशी शक्ति व बुद्धि का सम्मान घट गया है। इस्तीफाएँ स्वरूपसंभव नशे से होने वाले दुष्प्रभाव को समझे और समझाएँ तकि समाज व देश को नशे की आदतों से बचाया जा सके। संवाद

कुरान हाफिज करने वाले 15 बच्चों की दस्ताबंदी

संवाद न्यूज एजेंसी

चिलकाना। गांव पटना उर्फ नयावास में मदरसा लहफोज उल कुरान जकरिया में जलसे के दौरान कुरान हाफिज करने वाले 15 बच्चों को दस्ताबंदी कर सम्मानित किया गया। रविवार देर रात तक चले जलसे में मौलाना मुफती मोहम्मद सईद ने कहा कि झूट बोलना बड़ा गुनाह है। इसान जब झूट बोलने से लौक कर लेता है तो वह बहुत सारे गुनाहों से महफूज हो जाता है। मेरठ से आए हजरत मुफती खालिद ने कहा कि शारी में

छात्र-छात्राओं ने गीतों की प्रस्तुति देकर बांधा समा

पुत्राफकननगर। शहर के रामराम सिंह अर्वाचिन सौनियर सेकेंड्री स्कूल का 32वाँ वार्षिकोत्सव मनाया गया। विद्यालय को विज्ञान, कामर्स, कला और कंप्यूटर साइंस की इंटर क्लर की व्यवस्था मिलने के पीछे पर खुशी जताई गई। स्कूल के वार्षिकोत्सव पर पहुंचे राजभारती बहिनदेव आराध्या, जिला पंचायत अध्यक्ष वीरपाल निर्वाण, रामरामदा शर्मा और डॉ. सुभाष चंद्र शर्मा आदि ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर समां बांध दिया। छात्र अलवीसा, नमिया, हिमांशी, कानिशा, निरिता, तुलसी, अरोहा, फेज, सानी, विधान, रिहान, अहमद, आरोही, अर्बन, तनिफा, मासूम, चेतान, देव, आलिया आदि ने विभिन्न गीत गाए। संवाद

यूको बैंक... कक्षा सम्पत्ती नोटिस... बचक सम्पत्ति का विवरण मांग नोटिस/कब्जे नोटिस की तिथि एवं बकाया राशि

Glocal University offers a range of vocational training and executive education programs that are open to the general public, aimed at enhancing skills and career development:



Sources: Symposium at Management School on Student's Counselling Session 15th September 2023

- Executive Education Programs: We provide short, intensive courses on various topics such as leadership, project management, financial Literacy, digital skills, and sustainability, tailored for working professionals seeking to enhance their expertise.



- ***Sources: Workshop on Financial Literacy at Management School on 15th November 2023***
- Vocational Training Workshops: These hands-on workshops focus on practical skills development in areas such as entrepreneurship, technical trades, coding, and creative industries, designed to equip participants with employable skills.

- **Industry-Specific Training:** We collaborate with local businesses and organizations to offer specialized training programs that address specific industry needs, helping workers advance in their careers.

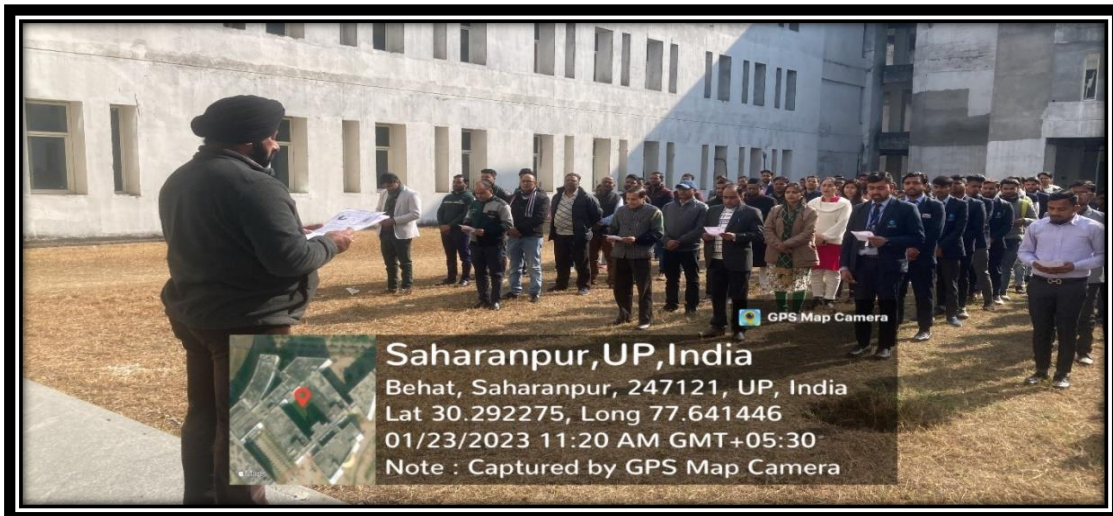


4.3.4:

Glocal University is committed to educational outreach beyond campus through a variety of community engagement activities:

- **School Partnerships:** We organize tailored lectures, demonstrations, and workshops in local schools, aiming to inspire and educate young students on topics such as sustainability, science, technology, and health.
- **Community Education Programs:** Faculty and students run educational programs in local community centers, offering courses on literacy, digital skills, financial management, and other life skills to underserved populations.

- **Voluntary Student Initiatives:** Our students lead volunteer-based outreach programs, including tutoring and mentorship schemes for local students, as well as organizing community clean-up drives and sustainability initiatives.
- **Public Demonstrations:** We host public events, such as science fairs or environmental awareness campaigns, where university staff and students demonstrate innovations and share knowledge with the wider community.



4.3.5:

Glocal University has implemented a Lifelong Learning Access Policy to ensure that all community members have equal opportunities to participate in educational activities, regardless of their background. The key aspects of this policy include:

- **Inclusive Access:** We ensure that all educational outreach programs, workshops, and public events are accessible to individuals from diverse ethnic, religious, and cultural backgrounds.

- **Support for Disabilities:** We provide necessary accommodations such as accessible learning materials, sign language interpreters, and physical accessibility for people with disabilities.
- **Equal Opportunity:** The policy guarantees that no one is excluded from lifelong learning opportunities based on immigration status, gender, or other social factors.
- **Affordability:** We offer free or subsidized programs to ensure financial constraints do not prevent participation in educational activities.

IMPACTFUL STEPS TOWARDS QUALITY EDUCATION GLOCAL UNIVERSITY'S SDG 4 COMMITMENT

DEBATE AND SPEECH COMPETITION Glocal University, in alignment with SDG 4: Quality Education organized a Debate and Speech Competition on April 18, 2023, to commemorate the 132nd Birth Anniversary of Dr. Babasaheb Bheemrao Ambedkar. This collaborative effort by Glocal Law School and the Department of Student Welfare (DSW) aimed to provide students with an enriching platform to explore, discuss, and articulate ideas related to democracy, social equality, and Dr. Ambedkar's transformative contributions to education and society.

The event, held in the Medical Auditorium, commenced at 11:00 AM, with enthusiastic participation from students, faculty, and staff members. The competition featured two categories—Debate and Speech—on themes inspired by Dr. B.R. Ambedkar's life and work. Topics included *Dr. B.R. Ambedkar – A Greatest Thinker on Democracy*, *Dr. B.R. Ambedkar's Ideas of Social Equality*, *Dr. B.R. Ambedkar – As a Socio-Political Reformer*, and *Dr. B.R. Ambedkar's Reflection on the Hindu Social System vis-a-vis Untouchability*. These topics encouraged critical thinking, effective communication, and an in-depth understanding of societal issues, fostering intellectual growth among participants.

The competition served as an educational initiative, promoting lifelong learning, public speaking skills, and awareness of historical and social contexts. Winners were recognized with mementos and cash prizes for their exceptional performances, while all participants received Certificates of Participation to acknowledge their efforts and dedication.

The event highlighted Glocal University's commitment to quality education by nurturing analytical skills, social awareness, and respect for diverse perspectives. The active support of Prof. (Dr.) Satish Kumar Sharma, Pro-Vice-Chancellor of Glocal University, along with the leadership of Ms. Swarnima Singh, Convener of the event, and Dr. Aateka Bano, Co-Convener and Head of School at Glocal Law School, underscored the university's dedication to fostering an inclusive and educated community.

By empowering students to engage in meaningful discourse, the Debate and Speech Competition contributed to SDG 4's goals of ensuring inclusive and equitable quality education and promoting lifelong learning opportunities for all.



HINDUSTAN YOUTH ICON AWARDS

Glocal University, in alignment with SDG 4: Quality Education hosted the "Hindustan Youth Icon Awards," a dynamic event aimed at fostering a spirit of social responsibility and community engagement among students. The event, a resounding success, brought together students from diverse academic backgrounds and fields of study, united by the shared goal of creating a lasting positive impact on society. By celebrating the enthusiasm and dedication of young minds, the initiative emphasized the role of education in nurturing responsible global citizens.

The event witnessed vibrant participation from students of Glocal University, who showcased innovative community service projects addressing a wide range of social challenges. These initiatives demonstrated the transformative power of education in cultivating leadership, collaboration, and problem-solving skills. Students presented impactful projects that tackled issues such as health, education, sustainability, and social inequality, reflecting their commitment to driving change and fostering community development.

Key highlights of the event included the recognition of outstanding contributions through the prestigious "Hindustan Youth Icon Awards." These awards celebrated exceptional individuals and teams whose initiatives set new benchmarks for community engagement and social responsibility. Their achievements underscored the importance of education as a tool to inspire and empower youth to address real-world challenges effectively.

The "Hindustan Youth Icon Awards" also featured engaging project showcases, allowing students to present their work and share ideas, further encouraging peer learning and inspiration. This platform highlighted the university's role in promoting a culture of lifelong learning, innovation, and social commitment, aligning with the core principles of SDG 4.

Glocal University extends heartfelt gratitude to all participants, volunteers, and supporters who contributed to the event's success. The initiative reaffirmed the university's dedication to providing quality education that not only equips students with knowledge and skills but also instills a sense of purpose and responsibility toward societal well-being.

By fostering a culture of social responsibility and recognizing youth-led contributions to societal development, the "Hindustan Youth Icon Awards" exemplified Glocal University's commitment to advancing inclusive and equitable education and empowering students to become catalysts for positive change.





Teachers' Day Celebration at Glocal University: Honoring the Pillars of Education

On September 5, 2023, Glocal University hosted a grand celebration of Teachers' Day, a day dedicated to honoring the invaluable contributions of educators who inspire and guide future generations. This annual event commemorates the birth anniversary of Dr. Sarvepalli Radhakrishnan, a distinguished scholar, teacher, and former President of India, and serves as a reminder of the critical role teachers play in shaping society. The celebration reflected Glocal University's commitment to SDG 4: Quality Education, emphasizing the importance of empowering educators to create a sustainable and inclusive learning environment. The event commenced at 2:00 PM in the Medical Auditorium, drawing an enthusiastic gathering of faculty members, students, and staff. The auditorium was adorned with vibrant decorations, creating a warm and festive atmosphere befitting the occasion. Faculty members, dressed in formal attire, were greeted with heartfelt respect and admiration, symbolizing the gratitude of the university community.

Program Highlights

The celebration opened with a welcoming address by the Dean of Student Welfare, Ms. Swarnima Singh, who eloquently spoke about the pivotal role of teachers in building a knowledge-driven society. She highlighted how educators at Glocal University go beyond traditional teaching, engaging in mentorship, research, and community development to uphold the institution's mission of excellence.

The event featured a variety of engaging activities designed to celebrate and honor the contributions of the university's educators:

- **Cultural Performances**

Students showcased their talents through a series of performances, including songs, dances, and skits, that illustrated the profound impact teachers have on their lives. A notable highlight was a play that humorously yet poignantly depicted the everyday challenges and triumphs of teaching.

- **Faculty Felicitation Ceremony**

A formal ceremony was held to recognize the exceptional dedication and contributions of the faculty. Several teachers were awarded for their achievements in academics, research, and mentorship. Awards included “Best Research Mentor,” “Excellence in Teaching,” and “Outstanding Contribution to Student Development.” Each awardee received a certificate of appreciation and a memento, symbolizing the university’s gratitude.

- **Students’ Tributes**

Students shared heartfelt messages and anecdotes about their favorite teachers, expressing their gratitude for the guidance and inspiration they received. These testimonials underscored the deep bond between students and educators at Glocal University.

- **Interactive Activities**

To foster camaraderie and engagement, the program included fun games and quizzes where both faculty and students participated enthusiastically. These activities added a lively and joyful dimension to the celebration.

Guest Speech and Closing Remarks

The event featured a keynote address by the Hon’ble Vice Chancellor, Prof. (Dr.) P.K. Bharti, who emphasized the transformative power of education and the pivotal role teachers play in nurturing young minds. He lauded the efforts of the faculty in maintaining high academic standards and their unwavering commitment to student success.

The event concluded with a vote of thanks by the event organizers, acknowledging the collective effort of the university community in making the celebration memorable. The attendees stood for the national anthem, marking a respectful end to the day’s proceedings.

Impact on Quality Education (SDG 4)

The Teachers’ Day Celebration at Glocal University was more than just a tribute to educators; it was a reaffirmation of the university’s commitment to achieving SDG 4: Quality Education. By recognizing and honoring the contributions of teachers, the event underscored the importance of fostering an environment where educators feel valued and empowered. The celebration also highlighted the role of teachers in not only imparting knowledge but also shaping socially responsible and globally aware individuals.

Through such initiatives, Glocal University continues to emphasize the critical role of teachers as change-makers and community leaders, reinforcing its mission to provide quality education that empowers students and transforms society. The success of the Teachers’ Day Celebration serves as an inspiration for the university to keep striving toward excellence in education and faculty development.



ग्लोकल विश्वविद्यालय के शिक्षक सम्मानित

शाह टाइम संवाददाता

मिर्जापुर। मिर्जापुर कासमपुर हाइवे पर स्थित ग्लोकल विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस को हार्पोल्स के साथ मनाया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन ग्लोकल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. पी. के. भारती के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के मेडिकल ऑडिटोरियम में किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. सतीश कुमार शर्मा, प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. पी. के. मिश्रा, कुलसचिव प्रोफेसर डॉ. राकेश धर द्विवेदी, डॉन एकेडमिक्स प्रोफेसर डॉ. प्रमोद कुमार, परिसर निदेशक प्रोफेसर डॉ. एस.पी. पाण्डे, समस्त विभागाध्यक्ष एवं गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर के किया। इसके पश्चात कुलसचिव प्रोफेसर डॉ. राकेश धर द्विवेदी ने ओपनिंग रिमार्क में पूर्व गणपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डाला और छात्र-छात्राओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने की नसीहत दी। कार्यक्रम में ग्लोकल विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों को विभिन्न कैटेगरी में कुलपति एवं अन्य अतिथियों के द्वारा शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ एवं सर्वाधिक शोधपत्र प्रकाशन के लिए पुरस्कृत किया गया और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में सर्वाधिक पेटेंट प्रकाशन के लिए प्रोफेसर डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. मोहित को एवं सर्वाधिक सर्वाधिक शोधपत्र को प्रकाशित करने के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए जिसमें छात्रों ने अपने प्रदर्शन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संयुक्त संचालन डॉ. एस. डब्ल्यू. स्वर्णिमा सिंह एवं मोहम्मद वसीम के द्वारा किया गया।



प्रोफेसर डॉ. अदुल हफ़ोज को तथा यंग रिसर्चर अवार्ड से डॉ. मोहम्मद यूसुफ और राहदा रहमान को पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त अवार्ड्स में ग्लोकल लॉ स्कूल के डॉ. मोहम्मद वाजिद सहायक प्रोफेसर को ग्लोकल लॉ स्कूल में सर्वाधिक पेटेंट एवं सर्वाधिक शोधपत्र को प्रकाशित करने के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए जिसमें छात्रों ने अपने प्रदर्शन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संयुक्त संचालन डॉ. एस. डब्ल्यू. स्वर्णिमा सिंह एवं मोहम्मद वसीम के द्वारा किया गया।

GLOBAL UNIVERSITY - TEACHER'S DAY AWARD CEREMONY

ग्लोकल यूनिवर्सिटी में सम्मानित किए टीचर्स

मिर्जापुर (दैनिक हाक) : ग्लोकल यूनिवर्सिटी में टीचर्स डे पर आयोजित कार्यक्रम में टीचर्स को सम्मानित किया गया। इस दौरान छात्र छात्राओं को पूर्व गणपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन के बारे में बताते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने की अपील की गई।



दरअसल, टीचर्स डे (शिक्षक दिवस) पर के मौके पर मिर्जापुर क्षेत्र में स्थित ग्लोकल यूनिवर्सिटी के मेडिकल ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. सतीश कुमार शर्मा, प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. पी. के. मिश्रा, कुलसचिव प्रोफेसर डॉ. राकेश धर द्विवेदी, डॉन एकेडमिक्स प्रोफेसर डॉ. प्रमोद कुमार, परिसर निदेशक प्रोफेसर डॉ. एस.पी. पाण्डे, समस्त विभागाध्यक्ष एवं गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर के किया गया। इसके पश्चात कुलसचिव प्रोफेसर डॉ. राकेश धर द्विवेदी ने ओपनिंग रिमार्क में पूर्व गणपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डाला

और छात्र-छात्राओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने की नसीहत दी। कार्यक्रम में ग्लोकल विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों को विभिन्न कैटेगरी में कुलपति एवं अन्य अतिथियों द्वारा शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ एवं सर्वाधिक शोधपत्र प्रकाशन के लिए पुरस्कृत किया गया और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में सर्वाधिक पेटेंट प्रकाशन के लिए प्रोफेसर डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. मोहित को एवं सर्वाधिक शोधपत्र प्रकाशन के लिए अदुल हफ़ोज को तथा यंग रिसर्चर अवार्ड से डॉ. मोहम्मद यूसुफ और राहदा रहमान को पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त अवार्ड्स में ग्लोकल लॉ स्कूल के डॉ. मोहम्मद वाजिद सहायक प्रोफेसर को ग्लोकल लॉ स्कूल में सर्वाधिक पेटेंट एवं सर्वाधिक शोधपत्र को प्रकाशित करने के लिए पुरस्कृत किया गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए जिसमें छात्रों ने अपने प्रदर्शन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संयुक्त संचालन डॉ. एस. डब्ल्यू. स्वर्णिमा सिंह एवं मोहम्मद वसीम के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समान गणपति से किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शीर्ष अधिकारियों, शिक्षण एवं वैरिशाक्षण कर्मचारियों सहित भारी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

Mahatma Gandhi Jayanti Essay Writing Competition: Reflecting on the Legacy of the Father of the Nation

The Mahatma Gandhi Jayanti Essay Writing Competition, organized on September 30, 2023, at Glocal University, was a thoughtful initiative aimed at honoring the legacy of Mahatma Gandhi and fostering intellectual engagement among students. The event, aligned with the values of SDG 4: Quality Education, provided a platform for students to explore and articulate the enduring relevance of Gandhi's teachings in contemporary society.

Event Overview

The competition began promptly at 11:00 AM in the Seminar Hall opposite the IT Department, welcoming a diverse group of participants from various academic backgrounds. The atmosphere was charged with enthusiasm as students gathered to pay tribute to the Father of the Nation through their written reflections.

Essay Topics

Participants had the opportunity to choose from three thought-provoking topics, each addressing a unique aspect of Mahatma Gandhi's philosophy:

1. **"Relevance of Mahatma Gandhi's Philosophy in Today's World"**
2. **"Gandhi and Non-Violent Resistance: Lessons for Contemporary Activism"**
3. **"Gandhi's Impact on Social and Political Movements"**

These topics encouraged students to critically analyze Gandhi's principles of truth, non-violence, and social justice, and their application to modern challenges.

Competition Highlights

- **Participation and Engagement:**
Students displayed remarkable enthusiasm, using the opportunity to delve into Gandhi's ideologies and their applicability to contemporary issues. The competition encouraged diverse perspectives and showcased the intellectual depth of the participants.
- **Prize Recognition and Certificates:**
To acknowledge their efforts, the best essays were awarded prizes, recognizing the creativity, depth, and clarity of thought demonstrated by the winners. All participants received certificates of participation as a token of appreciation for their contributions.
- **Intellectual Discourse:**
Beyond the competition, the event fostered meaningful discussions about Gandhi's role in shaping non-violent movements, his advocacy for social equality, and his influence on global leaders and reformers.

Impact on Students and Education

The Mahatma Gandhi Jayanti Essay Writing Competition not only celebrated Gandhi's life and ideals but also encouraged students to reflect critically on pressing global issues. By engaging with topics of such significance, participants developed their analytical and communication skills, fulfilling the broader goals of quality education.

Conclusion

The competition was a resounding success, highlighting the timeless relevance of Mahatma Gandhi's teachings and their potential to inspire meaningful change in today's world. It

reaffirmed Glocal University's commitment to fostering a culture of intellectual inquiry, critical thinking, and civic responsibility among its students. By honoring the values of Mahatma Gandhi, the event exemplified the university's dedication to empowering young minds to become socially conscious leaders, contributing to a more inclusive





International Guest Lecture Series on "Significance of Quality Education & Basic Human Rights"

On October 12, 2023, Glocal University organized an **International Guest Lecture Series on "Significance of Quality Education & Basic Human Rights,"** a flagship event aimed at exploring the vital connection between education and fundamental human rights. The event brought together global experts, faculty members, and students to discuss the transformative role of education in fostering equality, empowerment, and global well-being. It also highlighted the university's commitment to engaging with critical issues and strengthening its alumni network's influence.

The program began with an opening address by **Prof. Dr. Satish Kumar Sharma**, who eloquently underscored the importance of quality education as the cornerstone for ensuring human rights and advancing sustainable development. He expressed his gratitude to the distinguished speakers and attendees, emphasizing how such intellectual gatherings contribute to shaping a more just and equitable society.

Enlightening Perspectives from Esteemed Speakers

The lecture series featured a panel of esteemed speakers from diverse backgrounds, each sharing valuable insights into the significance of education and human rights in today's world:

- **Dr. Zulfiqar Sheth**, Senior Consultant at Ernst & Young Global Limited, delved into the intrinsic relationship between education and empowerment. He spoke about how access to quality education not only equips individuals with knowledge and skills but also enables them to advocate for their rights and participate actively in society. His address highlighted the role of institutions in bridging the gaps in educational opportunities across communities.

- **Huzaiifa Hasan**, a Millennium Fellow at the Department of State, USA, provided a global perspective on education equity and human rights. Drawing from his international experiences, he shed light on the barriers to achieving universal education and the need for collective action. His speech inspired the audience to think critically about the role of education in tackling global challenges, such as inequality and social justice.
- **Dr. Laeek Ahmed Siddiqui**, a seasoned academic and thought leader, presented an analytical framework for understanding the societal impact of quality education. He emphasized the responsibilities of educators in nurturing socially conscious citizens who can drive transformative change. His talk encouraged the audience to consider education as both a right and a duty, emphasizing its dual role in personal and societal development.

The Role of Alumni in Shaping the Future

A significant highlight of the event was the participation of **Mr. Aaqib Javed**, an accomplished alumnus of Glocal University. In his address, Mr. Javed shared his journey as a student at Glocal and the profound impact the institution had on his personal and professional growth. He passionately advocated for the role of alumni in fostering a culture of excellence and giving back to the community. His presence and words served as an inspiration for current students, demonstrating the lasting influence of a strong educational foundation.

Interactive Engagement and Community Impact

The event was characterized by active participation from students, faculty, and staff, reflecting the university community's enthusiasm for engaging in meaningful discussions. Students posed thought-provoking questions, fostering a vibrant exchange of ideas with the speakers. This interactive approach enhanced the understanding of the complex interplay between education and human rights and encouraged attendees to think critically about their roles in society.

Concluding Remarks

The lecture series concluded with a powerful address by **Prof. Dr. Pankaj Kumar Mishra, Pro Vice-Chancellor**, who summarized the key takeaways from the session. He highlighted the urgent need for continued dialogue and action to address disparities in education and uphold human rights globally. His remarks left the audience with a renewed sense of purpose and commitment to these universal ideals.

Legacy of the Event

The International Guest Lecture Series was a resounding success, leaving a lasting impression on all attendees. It not only emphasized the crucial connection between quality education and human rights but also showcased the university's dedication to fostering a culture of intellectual curiosity and social responsibility. The event reinforced Glocal University's mission to create global citizens who are equipped to tackle pressing challenges and contribute to a more equitable and inclusive world.

This enriching experience further solidified the university's role as a hub for transformative learning and reaffirmed its alignment with **SDG 4: Quality Education**. By fostering discussions on such critical topics, Glocal University continues to inspire its community to strive for academic excellence and social impact.



International Guest Lecture Series
October 12, 2023
Significance of Quality Education & Basic Human Rights



Stephen Barnes
 Penn State University Park
 Pennsylvania



Dr Zulfiqar Sheth
 Sr. Consultant
 Ernst & Young Global Limited



Huzaifa Hasan
 Millennium Fellow
 Department of State, USA.





अतिथि व्याख्यान का आयोजन

मिर्जापुर। ग्लोकल यूनिवर्सिटी में छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बुनियादी मानवाधिकारों के महत्व पर ग्लोकल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. पी. के. भारती के प्रेरणा से एक अंतरराष्ट्रीय अतिथि व्याख्यान आयोजित की गई।

ग्लोकल यूनिवर्सिटी के प्रो. वी.सी. प्रोफेसर डॉ. सतीश कुमार शर्मा, प्रो. वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. पी. के. मिश्रा, कुलसचिव प्रोफेसर डॉ. राकेश धर द्विवेदी, डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर डॉ. प्रमोद कुमार, परिसर निदेशक प्रोफेसर डॉ. एस.पी. पाण्डे, सहित सभी डीन, प्राचार्य एवं विभिन्न विभागों के प्रमुख सहित भारी संख्या में विधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉ. जुल्फिकार सेठ, वरिष्ठ सलाहकार, अर्न्स्ट एंड यंग ग्लोबल लिमिटेड और पेन स्टेट यूनिवर्सिटी पार्क, पेनसिल्वेनिया से डॉ. स्टीफन बार्न्स इस व्याख्यान श्रृंखला में वचुअल रूप से जुड़े और अपने ज्ञान से छात्रों को प्रबुद्ध किया। इस व्याख्यान में हुजैफा हसन मिलेनियम फेलो डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट, यूएसए ऑडिटोरियम में मौजूद थे और उन्होंने बुनियादी मानव अधिकार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ इसके संबंध के बारे में बात करते हुए मिलेनियम फेलोशिप की शुरुआत की। इस सेमिनार का आयोजन ग्लोकल यूनिवर्सिटी के पूर्व



छात्र आकिब जावेद, निदेशक, एस. फातिमा एजुकेशनल सोसाइटी और डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर सुश्री स्वर्णिमा सिंह द्वारा किया गया था। मंच का संचालन असरफ अली हसन, मोहम्मद जैद और शादाब अली के द्वारा किया गया था।

मानवाधिकारों के महत्व पर सैमीनार करवाया

मिर्जापुर, 12 अक्टूबर (कलीम): ग्लोकल यूनिवर्सिटी में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बुनियादी मानवाधिकारों के महत्व पर एक सैमीनार करवाया गया। सैमीनार में कई देशों में स्थित विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने वचुअल भाग लिया। ग्लोकल विश्वविद्यालयों में आयोजित सैमीनार का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर डा. पी.के. भारती ने किया। कार्यक्रम में मिलेनियम फेलो डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट, यू.एस.ए. हुजैफा हसन ने बुनियादी मानवाधिकार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में डा. जुल्फिकार सेठ वरिष्ठ सलाहकार, अर्नेस्ट एंड यंग ग्लोबल लिमिटेड और पेन स्टेट यूनिवर्सिटी पार्क, पेनसिल्वेनिया से डा. स्टीफन ब्रांस ने छात्रों को इस वचुअल



वी.सी. प्रोफेसर डा. सतीश शर्मा सम्मानित करते कुलपति प्रोफेसर डा. पी.के. भारती।

रूप से जागरूक किया। सैमीनार का आयोजन ग्लोकल यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र आकिब जावेद, निदेशक, एस. फातिमा एजुकेशनल सोसायटी और डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर स्वर्णिमा सिंह द्वारा किया गया था। मंच का संचालन असरफ अली हसन, मोहम्मद जैद और शादाब अली के द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में ग्लोकल यूनिवर्सिटी के वी.सी. प्रोफेसर डा. सतीश कुमार शर्मा, प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर डा. पी.के. मिश्रा कुलसचिव प्रोफेसर डा. राकेश धर द्विवेदी, डीन एकैडमिक्स प्रोफेसर डा. प्रमोद कुमार, परिसर निदेशक प्रोफेसर डा. एस.पी. पांडे सहित सभी डीन, प्राचार्य एवं विभिन्न विभागों के प्रमुख सहित भरी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

Documentary Screening in Honour of Dr. A P J Abdul Kalam's Birth Anniversary - Celebrating Students' Day

On **Students' Day**, Glocal University proudly hosted the event "*Documentary Screening in Honour of Dr. A P J Abdul Kalam's Birth Anniversary*," paying tribute to one of India's greatest visionaries while highlighting the importance of youth empowerment and quality education. Organized under the guidance of the **Dean of Student Welfare (DSW), Swarnima Singh**, the event served as a platform to inspire students and emphasize the transformative power of education.

The event was graced by the honourable **Pro Vice-Chancellors, Prof. Dr. Satish Kumar Sharma** and **Prof. Dr. Pankaj Kumar Mishra**, reflecting the university's commitment to nurturing a culture of learning and growth, closely aligned with **Sustainable Development**

Goal (SDG) 4: Quality Education.

Inauguration and Opening Address

The program commenced with a warm welcome by **Prof. Dr. Satish Kumar Sharma**, who highlighted Dr. Kalam's unparalleled contributions to science, education, and nation-building. He emphasized how Dr. Kalam's life and values resonate with SDG 4 by promoting inclusive and equitable quality education as a tool for empowerment and sustainable development.

Documentary Screening

At the heart of the event was the screening of an inspiring documentary that captured the essence of Dr. Kalam's life—from his humble beginnings to his transformative leadership as the **11th President of India**. The documentary highlighted his groundbreaking contributions to science, his passion for teaching, and his vision for empowering youth through education. The screening reinforced the principles of SDG 4 by showcasing how Dr. Kalam's relentless advocacy for access to education and skill development enabled countless individuals to rise above socio-economic barriers.

Reflections by Pro Vice-Chancellor

Following the screening, **Prof. Dr. Pankaj Kumar Mishra** delivered an insightful address, emphasizing Dr. Kalam's legacy as a champion of education and lifelong learning. He reflected on how Dr. Kalam's focus on innovation, ethics, and inclusivity aligns with SDG 4's goals of creating opportunities for all to acquire the skills and knowledge necessary for sustainable development.

Prof. Mishra encouraged students to draw inspiration from Dr. Kalam's journey, urging them to pursue excellence and take active roles in driving social change through education.

Interactive Session and Tributes

An engaging interactive session followed, where students and faculty shared reflections on the documentary and discussed the relevance of Dr. Kalam's teachings in addressing educational challenges. The discussion underscored the significance of fostering critical thinking, creativity, and collaboration—key components of quality education.

The event concluded with a heartfelt tribute to Dr. Kalam, led by the DSW team, emphasizing the need to uphold his ideals in education and youth empowerment.

Significance in Supporting SDG 4

The event strongly aligned with **SDG 4: Quality Education**, demonstrating the university's dedication to providing platforms for intellectual growth and critical engagement. By celebrating Dr. Kalam's contributions, the program underscored the power of education as a driver for innovation, equality, and social transformation.

The documentary screening and discussions encouraged participants to reflect on how quality education can break barriers, foster sustainable development, and prepare individuals for the challenges of the future. The event also served as a reminder of the role educational institutions like Glocal University play in achieving SDG 4's objectives.

The **Documentary Screening in Honour of Dr. A P J Abdul Kalam's Birth Anniversary** was a resounding success. It inspired students, faculty, and staff to uphold Dr. Kalam's ideals of lifelong learning and educational inclusivity. By integrating the principles of SDG 4 into the event's core message, the university reaffirmed its commitment to empowering students and contributing to a sustainable and equitable future.





International Conference on Innovation and Intellectual Property Rights (IIPRMR-2023)

The **International Conference on Innovation and Intellectual Property Rights (IIPRMR-2023)**, held on **November 1st and 2nd, 2023**, was a monumental two-day event organized to promote the exchange of ideas and foster discussions on innovation and intellectual property rights. The conference successfully brought together distinguished dignitaries, scholars, and experts to explore these vital themes in depth. This initiative strongly aligned with **Sustainable Development Goal 4 (SDG 4: Quality Education)**, as it emphasized advancing knowledge, fostering intellectual discourse, and empowering participants with insights into innovation and its legal and economic implications.

Day 1 Highlights

The inaugural day of the conference began with a traditional **lamp-lighting ceremony**, symbolizing the pursuit of knowledge. Esteemed dignitaries such as **Vice Chancellor Prof. Dr. P. K. Bharti**, **Pro Vice Chancellors Prof. Dr. Satish Kumar Sharma** and **Prof. Dr. Pankaj Kumar Mishra**, **Dean Academics Prof. Dr. Pramod Kumar**, and **Campus Director Prof. Dr. S. P. Pandey** graced the event with their presence.

Dean Academics Prof. (Dr.) Pramod Kumar delivered the opening remarks, setting the tone for the conference. This was followed by a heartfelt welcome address by **Vice Chancellor Prof. (Dr.) P. K. Bharti**, who underscored the significance of intellectual property rights in fostering innovation. The inaugural ceremony also featured the release of the **conference souvenir**, symbolizing a commitment to intellectual collaboration.

Three thought-provoking sessions highlighted Day 1:

- **Session 1:** Delivered by **Prof. Ambarish S. Vidyarthi**, Vice Chancellor, Bikaner Technical University, focusing on the evolving role of intellectual property in driving innovation.
- **Session 2:** Led by **Prof. Mayank Aggarwal** of Gurukula Kangri Vishwavidyalaya, Haridwar, who shared key insights on integrating IP management in academic and industrial research.
- **Session 3:** Presented by **Dr. Ashutosh Kumar Bhatt** of Uttarakhand Open University, Haldwani, offering a unique perspective on leveraging intellectual property for regional development.

The day concluded with a vote of thanks delivered by **Pro Vice Chancellor Prof. (Dr.) Satish Kumar Sharma**, who expressed gratitude to all contributors and attendees for their active participation and efforts.

Day 2 Highlights

The second day continued the momentum with engaging sessions and knowledge-sharing activities. The day began with the **felicitation of dignitaries**, followed by an opening address by **Pro Vice Chancellor Prof. (Dr.) Satish Kumar Sharma**, who stressed the growing relevance of intellectual property rights in modern academia and industry.

Key sessions on Day 2 included:

- **Session 1:** Conducted by **Dr. Ram Shringar Rao** from Netaji Subhas University of Technology, Delhi, whose expert presentation connected innovation ecosystems with intellectual property frameworks.
- **Session 2:** Led by **Dr. Neha Gulati** from Punjabi University, Patiala, who explored the intricate relationship between innovation, intellectual property, and sustainable growth.

The conference concluded with a **vote of thanks and closing remarks** by **Pro Vice Chancellor Prof. (Dr.) Pankaj Kumar Mishra**, who reflected on the enriching discussions and emphasized the need for continued collaboration in this field.

Alignment with SDG 4: Quality Education

The conference directly supported **SDG 4: Quality Education** by creating a platform for intellectual engagement, fostering academic excellence, and promoting interdisciplinary collaboration. It empowered participants with in-depth knowledge of intellectual property rights, enabling them to drive innovation and contribute to sustainable development.

- **Enhancing Learning Opportunities:** The event facilitated a comprehensive understanding of intellectual property rights, ensuring that scholars, faculty, and students gained insights critical for academic and professional growth.

- **Encouraging Knowledge Sharing:** Through expert-led sessions, the conference fostered a culture of dialogue and exchange, critical to advancing quality education.
- **Bridging Academia and Industry:** The discussions highlighted the importance of integrating IP management into education, enabling participants to navigate real-world challenges effectively.

The **International Conference on Innovation and Intellectual Property Rights (IIPRMR-2023)** was a resounding success, marked by insightful sessions, active participation, and the presence of distinguished dignitaries. It provided a platform for meaningful discussions on innovation and intellectual property rights while underscoring their critical role in fostering sustainable development.

Through this conference, Glocal University reaffirmed its commitment to **quality education** and intellectual empowerment, inspiring participants to embrace innovation as a tool for progress. The event's outcomes will undoubtedly leave a lasting impact, driving advancements in academia, research, and industry.







4th International Conference on MARC-2023

Glocal University proudly hosted the 4th International Conference on Machine Learning, Advances in Computing, Renewable Energy, and Communication (MARC-2023) on November 28-29, 2023. This conference, approved by Springer, brought together distinguished experts, researchers, and academicians from diverse backgrounds to explore and share their insights into the realms of Machine Learning, Computing, Renewable Energy, and Communication.

Event Report:

MARC-2023 emerged as a collaborative platform that facilitated the exchange of cutting-edge research, fostered innovation, and fueled discussions on the latest advancements in the conference tracks.

The event commenced with an inaugural ceremony graced by esteemed faculty members, researchers, and attendees. The ceremonial lighting of the lamp marked the commencement of two days filled with intellectual discourse and knowledge-sharing.

Renowned experts in the fields of Artificial Intelligence, Renewable Energy, High-Performance Computing, and Communication delivered enlightening keynote sessions. These addresses provided a comprehensive overview of the current trends, challenges, and future prospects in the respective domains.

Authors from around the globe presented their original and unpublished research papers during parallel technical sessions. The papers covered a wide spectrum of topics, reflecting the diversity and depth of research in Machine Learning, Computing, Renewable Energy, and Communication.

Participants engaged in hands-on workshops, gaining practical insights into the latest tools, methodologies, and applications relevant to the conference themes. These workshops facilitated active learning and collaboration among attendees.

An exciting feature of MARC-2023 was the opportunity for authors to have their accepted and presented papers published by Springer, a prestigious academic publisher renowned for its commitment to quality publications. This avenue offered a global platform for researchers to showcase their contributions.

The conference organizers announced the official Call for Papers, inviting researchers to contribute to the success of MARC-2023 by submitting their original and unpublished research work. This open call emphasized the commitment to creating a dynamic forum for the exchange of knowledge and ideas.

MARC-2023 at Glocal University concluded as a resounding success, leaving a lasting impact on the participants and contributing significantly to the fields of Machine Learning, Computing, Renewable Energy, and Communication. The conference's commitment to innovation, collaboration, and scholarly excellence sets the stage for continued advancements in these rapidly evolving domains.



Prof. (Dr.) P.K. Bharti
Vice Chancellor
Glocal University, Saharanpur

4th INTERNATIONAL CONFERENCE ON
**MACHINE LEARNING, ADVANCES IN COMPUTING,
RENEWABLE ENERGY AND COMMUNICATION**

MARC-2023



Prof. (Dr.) Pramod Kumar
Organizing Chair, MARC-2023
Dean Academic Affairs



Dr. Anuradha Tomar
Organizing Chair, MARC-2023
NSUT, Delhi

KEYNOTE SPEAKERS



Prof. (Dr.) Rajendra Dohal
Vice Chancellor



Prof. (Dr.) Sukumar Mishra
IT Data



Prof. P. K. Pimpriwala
IT Data



Prof. (Dr.) David A.L. Athiyallem



Prof. (Dr.) Teddy Mantoro
Surabaya University



Prof. (Dr.) D. K. Lobiyal
Jalandhar National University



Prof. (Dr.) Manju Khari
Jalandhar National University



Prof. (Dr.) Rashmi Gupta
New Global University of



Prof. Y. R. Sood
National Institute of Technology



Dr. Vinay Rishwani
Maharaja Ganga Park



Dr. Nitesh Kumar
IIT ROORKEE



XX830
XX838
XX495
XX972
XX289
XX400
XX948
XX949
XX998
XX811
XX542
XX339
XX094
XX962
XX083
XX578
XX938
XX450
XX445
XX718
XX939

ग्लोकल में शुरू हुई अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

मिर्जापुर, संवाददाता। क्षेत्र के मिर्जापुर पौल में स्थित ग्लोकल विश्वविद्यालय के सभागार में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस मशीन लर्निंग, एडवांसेज इन कम्प्यूटिंग, रिन्यूएबल एनर्जी एंड कम्युनिकेशन-2023 का आयोजन हुआ। इसमें देश-विदेश के शिक्षाविद, शोधार्थी एवं अतिथि भाग ले रहे हैं। इस अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के चेयर ग्लोकल विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक प्रोफेसर डॉ प्रमोद कुमार एवं एनएसयूटी दिल्ली की डॉ. अनुराधा तोमर बनाए गए।

कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ ग्लोकल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर

स्वागत भाषण दिया गया। मुख्य अतिथि स्वामी रामा हिमालयन विश्वविद्यालय उत्तराखंड के कुलपति प्रोफेसर डॉ राजेंद्र डोभाल थे और कोनोट स्पीकर मलेशिया के टेलर विश्वविद्यालय के आए प्रोफेसर डॉ. डेविड एण्ड असिरवाथम, आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर डॉ. सुकुमार मिश्रा, जे.एन.ए. के प्रोफेसर डॉ. डी. के. लोवियाल थे एमिटी यूनिवर्सिटी ताशकत उन्बेकिस्तान के डॉ अनिल सरोलिया यूटीपी मलेशिया से डॉ धनपाल दुर्ग डोमिनिक, डॉ फसीउल्लाह आरकेजीआईटी गाजियाबाद से डॉ आर शर्मिला आदि रहे।

ग्लोकल विश्वविद्यालय में आयोजित कॉन्फ्रेंस में उपस्थित अतिथिगण।

डॉ. पीके भारती ने दीप प्रज्वलित कर किया। देश-विदेश से आए सभी शिक्षाविद, शोधार्थीयो एवं अतिथियों को बुके देकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। ग्लोकल के कुलपति प्रोफेसर डॉ. पी के. भारती के द्वारा

हिंदुस्तान 29 नवंबर 2023

ग्लोकल विवि में अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ

कार्यक्रम का ओपनिंग रिमार्क ग्लोकल विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक प्रोफेसर द्वारा दिया गया

● जनवणी संवाददाता, मिर्जापुर
मिर्जापुर स्थित ग्लोकल विश्वविद्यालय के सभागार में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस मशीन लर्निंग, एडवांस्ड इन कम्प्यूटिंग, रिन्यूएबल एनर्जी एंड कम्प्यूटेशन का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश-विदेश के शिक्षाविद, शोधार्थी एवं अतिथि भाग ले रहे हैं। इस अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के चेयर ग्लोकल विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक प्रोफेसर डॉ प्रमोद कुमार एवं दिल्ली की डॉ अनुराधा तोमर हैं। कार्यक्रम का ओपनिंग रिमार्क ग्लोकल विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक प्रोफेसर (डॉ) प्रमोद कुमार के द्वारा दिया गया।

कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ ग्लोकल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. पी.के. भारती ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद देश-विदेश से आए सभी शिक्षाविद, शोधार्थी एवं अतिथियों को बुके देकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित कर स्वागत किया गया। तत्पश्चात ग्लोकल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. पी.



के. भारती के द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के मुख्य अतिथि स्वामी रामा हिमालयन विश्वविद्यालय उत्तराखंड के कुलपति प्रोफेसर डॉ. राजेंद्र डोभाल, क्वीनोत् स्पीकर मलेशिया के टेलर विश्वविद्यालय से आए प्रोफेसर डॉ. डेविड एएल अस्सिरवाथम, आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर डॉ. सुकुमार मिश्रा, जे.एन.यू के प्रोफेसर डॉ. डी.के. लोबियाल थे। इस कॉन्फ्रेंस के पैरेलल सेशन चेयर यूनिवर्सिटी ऑफ ज़ोलिंग दूरई, यूएई के डॉ. मनोज कुमार,

सिम्बियोसिस अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय पुणे से डॉ. जितेंद्र राजपुरोहित, मलेशिया के टेक्नोर्नजी पेट्रोनास विश्वविद्यालय से डॉ शशि भूषण, गलगोटिया विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा के डॉ अनुज कुमार, एमिटी विश्वविद्यालय मोहाली (पंजाब) से डॉ. सचिन चौधरी, डॉ हरविंद सिंह, डॉ आंशी भारद्वाज, एमिटी यूनिवर्सिटी ताशकंद उज्बेकिस्तान के डॉ अनिल सरौलिया, यूटीपी मलेशिया से डॉ धनपाल दुरई डोमिनिक, डॉ फसीउल्लाह,

आरकेजीआईटी गाज़ियाबाद से डॉ आर शर्मिला, गलगोटिया यूनिवर्सिटी के डॉ फरहान सुफियान व बेनेट यूनीवर्सिटी के डॉ शमीन चिस्ती थे। अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय उत्तराखंड के कुलपति प्रो (डॉ) राजेंद्र डोभाल ने मशीन लर्निंग के इतिहास व इसकी शुरुआत पर प्रकाश डालते हुए इसकी महत्ता को समझाया एवं उन्होंने छात्रों को इस कंप्यूटर के युग में नए आविष्कारों व तकनीकी योजनाएं बनाने पर ध्यान केंद्रित कराया। टेलर विश्वविद्यालय मलेशिया से प्रो (डॉ) डेविड एएल अस्सिरवाथम ने अपने संबोधन के दौरान व्यवसायिक इलेक्ट्रॉनिक्स, साफ्टवेयर तकनीक एवं साइबर सुरक्षा के बारे में बताया। उन्होंने वैज्ञानिक संसाधनों व सूचना प्रौद्योगिकी के बारे में भी छात्रों को जागरूक किया। आईआईटी दिल्ली से प्रो (डॉ) सुकुमार मिश्रा ने नवीनीकरण युग पर प्रकाश डालते हुए इसके स्रोतों के बारे में जानकारी दी तथा इसके लाभों के बारे में भी

सभी को जागरूक किया। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से डी के लोबियाल ने भी छात्रों को तकनीकी योजनाएं बनाने के सुझाव दिए। यूटीपी मलेशिया से आए डॉ धनपाल दुरई डोमिनिक ने आधुनिक युग को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कम्प्यूटिंग पर जोर दिया। ग्लोकल विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रोफेसर (डॉ.) सतीश कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन देकर प्रथम दिवसीय सम्मेलन का समापन किया। इस कार्यक्रम के संचालन डीएसडब्ल्यू स्वर्णिमा सिंह एवं मोहम्मद वसीम ने किया। कॉन्फ्रेंस में उपरोक्त गणमान्य के साथ साथ प्रतिकुलपति प्रोफेसर डॉ पी. के. मिश्रा, कुलसचिव प्रोफेसर डॉ आर. डी. द्विवेदी, परिसर निदेशक प्रोफेसर डॉ. एस. पी. पाण्डे, चीफ प्रॉक्टर जमीरुल इस्लाम तथा आयोजन समिति के डॉ, वसीम अहमद, डॉ युसुफ, डॉ बेलाल, गौरव कुमार, प्रवीण कुमार तथा सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण व गैर शिक्षण कर्मचारियों सहित भारी संख्या में छात्र - छात्राएं उपस्थित रहे।

To enhance **quality education** (aligned with **SDG 4**) through frequent events like **Faculty Development Programs (FDPs), seminars, lectures, and conferences**, Glocal University can focus on the following initiatives:

1. Curriculum Enhancement

- **Workshops on Pedagogical Techniques:** Organize FDPs focused on innovative teaching methods such as experiential learning, problem-based learning, and flipped classrooms.
- **Industry-Academia Collaboration:** Invite industry experts to provide real-world insights during seminars and lectures, helping students bridge theoretical knowledge with practical applications.
- **Skill-Based Programs:** Host workshops on essential skills like digital literacy, critical thinking, and entrepreneurship.

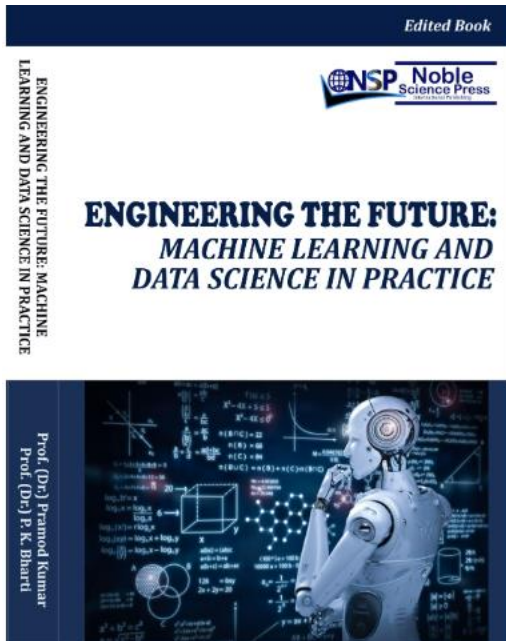
2. Research and Innovation

- **Research Methodology Workshops:** Regular sessions for faculty and students to enhance research skills and publish quality papers.
- **Innovation Challenges and Hackathons:** Encourage students to work on real-world problems and provide solutions, linking theory with practice.
- **Intellectual Property Awareness Seminars:** Educate participants on IP rights and their importance in innovation and academia.

3. Technology Integration

- **EdTech Training for Faculty:** Train faculty on integrating technology, such as AI tools, AR/VR, and simulation software, into their teaching methods.

- **E-Resource Development:** Develop and share open educational resources (OERs) for wider access to quality material.
- **Digital Platforms for Interaction:** Use Learning Management Systems (LMS) for seamless interaction and resource sharing between students and faculty.



Book Published by Engineering Faculty, Glocal University in 2023

Sources: <https://doi.org/10.52458/9789388996747.nsp2023.eb>

4. Holistic Development

- **Student-Centric Programs:** Host seminars on life skills, mental health, and personality development to address non-academic growth.
- **Cultural and Co-Curricular Activities:** Conduct events that promote creativity, teamwork, and cultural appreciation.

5. Continuous Evaluation and Feedback

- **Feedback Mechanism:** Collect feedback from participants after every event to improve future programs.
- **Impact Analysis:** Assess how FDPs, seminars, and lectures contribute to faculty and student development, ensuring alignment with academic goals.

6. Networking and Collaboration

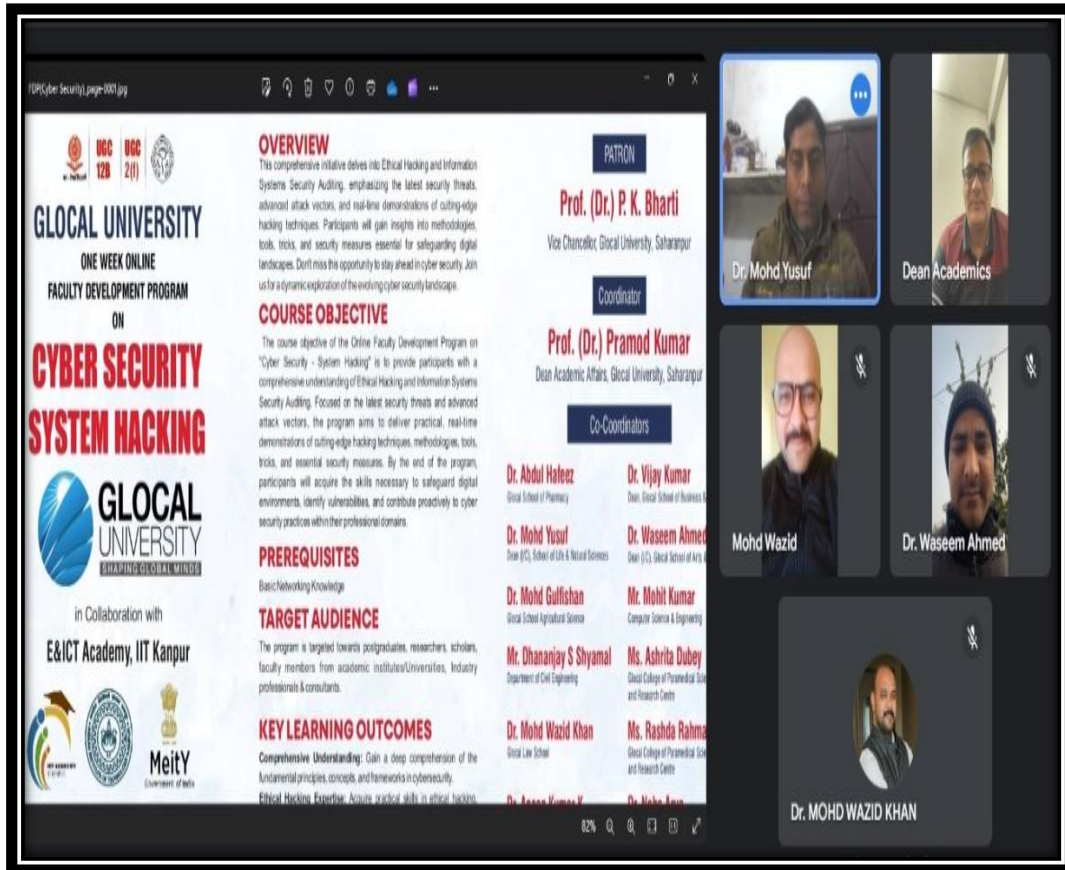
- **National and International Tie-Ups:** Collaborate with other universities, research institutions, and industries to organize joint seminars and conferences.
- **Alumni Involvement:** Involve successful alumni in lectures to inspire current students and provide mentorship.

7. Accessibility and Inclusivity

- **Scholarships and Free Workshops:** Offer free or subsidized FDPs and student workshops for underprivileged groups.

- **Inclusive Education Training:** Conduct seminars on teaching strategies for students with diverse learning needs.

By implementing these measures, Glocal University can not only organize impactful academic events but also establish itself as a hub for innovation and learning excellence, contributing significantly to **quality education**.



डाटा साइंस यूसिंग पाइथोन पर सात दिवसीय फ़ैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम आयोजित



मिर्जापुर (दैनिक हाक) : मिर्जापुर स्थित ग्लोकल विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ के द्वारा संयुक्त रूप से 'डाटा साइंस यूसिंग पाइथोन' पर सात दिवसीय 'फ़ैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम' का समापन हो गया। कार्यक्रम में प्रतिभागी शिक्षकों को डाटा साइंस और पाइथोन संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया।

ग्लोकल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. पी.के. भारती के दिशानिर्देशन में आयोजित 'डाटा

साइंस यूसिंग पाइथोन' पर सात दिवसीय फ़ैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम 19 फरवरी से शुरू हुआ था जिसका 23 फरवरी को समापन हो गया। कार्यक्रम का संयोजन ग्लोकल विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक प्रोफेसर डॉ. प्रमोद कुमार के द्वारा किया गया।

इस फ़ैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम के संयोजक डीन अकादमिक प्रोफेसर डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागी शिक्षकों को डाटा साइंस और पाइथोन संबंधित विभिन्न पहलु पर प्रशिक्षण

देना था। राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित यह कार्यक्रम एन.ई.पी. के दिशानिर्देशों के अनुरूप तैयार किया गया था।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी विभागों के डीन, विभागाध्यक्ष व शिक्षकगण सहित विभिन्न विषयों के 100 से ज्यादा शिक्षकों ने प्रतिभाग किया एवं रिसोर्स पर्सन ने प्रतिभागियों के सवालों का जवाब भी दिया। इस कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर किया गया था।

Invitation to Participate in FDP on NAAC and Internal Quality Assurance



Dean Academics <dean.academic@theglobaluniversity.in>

to all, faculty, QAC, allayurveda, Pro, Pro-, Registrar, Vice

Sat, Feb 10, 3:22 PM

Dear All,

We are excited to announce that Glocal University is planning to host a one-week online Faculty Development Program (FDP) on "NAAC and Internal Quality Assurance" as a Remote Centre of NITTR Chandigarh. This enriching program is scheduled from 26th February to 1st March 2024, and we are looking forward to active participation from our esteemed faculty members.

This FDP is designed to provide comprehensive insights and understanding about the National Assessment and Accreditation Council (NAAC) processes and the significance of Internal Quality Assurance in enhancing the educational standards and performance of our institution. It presents an invaluable opportunity for professional development, and knowledge exchange, and to further align our teaching methodologies and research practices with quality standards.

Key Details of the FDP:

Dates: 26th February to 1st March 2024

Mode: Online

Registration Details:

The registration fee for the FDP is Rs. 118, which will be graciously covered by Glocal University for all participating faculty members. Interested faculty members are required to fill out the registration form provided in the Google Form link below.

Registration Google Form: <https://forms.gle/bg9W6JmT9gEZAMYM9>

Last Date for Registration: 23rd February 2024

We encourage all faculty members to take advantage of this unique opportunity. The FDP not only aims to enhance our collective understanding of NAAC and quality assurance but also to foster a culture of continuous improvement and excellence within our university.

Heartfelt Thanks for Your Participation in the "Discovering your IKIGAI: Unleashing Purpose in Teaching" Workshop 🖨️ 📧

Inbox x



Office of Dean Academics <Dean.office@theglobaluniversity.in>

Tue, Apr 9, 10:16 AM



to me, pro.vc ▾

Dear Mam,

I hope this message finds you well. I am writing to extend my sincerest gratitude for your active participation in the "Discovering your IKIGAI: Unleashing Purpose in Teaching" workshop held on March 30, 2024. Your enthusiastic engagement contributed immensely to the success of our event.

Your presence and thoughtful contributions during the workshop discussions truly enriched the learning experience for everyone involved. It was inspiring to witness your dedication to personal and professional growth, as well as your commitment to enhancing your teaching practice.

We believe that discovering one's IKIGAI is pivotal in cultivating a sense of purpose and fulfillment, especially in the field of education. Your eagerness to explore and embrace this concept reflects your passion for teaching and your desire to make a positive impact on the lives of your students.

As a token of appreciation for your valuable participation, please find attached your certificate of participation. This certificate serves as a testament to your commitment to continuous learning and professional development.

Once again, thank you for your active involvement and enthusiasm throughout the workshop. We are truly grateful for your support and look forward to connecting with you again in future learning endeavors.

Warm regards,

Vidhi Dhanraj

